देश में खाद्य तेल की आवश्यकता

4482. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में विशेषतः गुजरात और मध्य प्रदेश में वर्ष 2000 तक खाद्य तेल की कुल कितनी मात्रा की आवश्यकता होगी;

(ख) इस संबंध अनुमानित उत्पादन कितना है;

(ग) सरकार द्वारा देश में खाद्य तेल का उतपादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(घ) उक्त राज्यों में अनुमानित खाद्य तेल का वार्षिक उत्पादन कितना-कितना है; और

(ङ) देश में उत्पादित और विदेशों से आयातित खाद्य तेल के मूल्यों में क्या अन्तर है?

कृषि मंत्री खाद्य मंत्री और नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) इस मंत्रालय के पास खाद्य तेलों की राज्यवार आवश्यकता के बारे में कोई प्रामाणिक सूचना उपलब्ध नहीं है। तथापि, नवीनतम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2000 तक देश में खाद्य तेलों की कुल आवश्यकता 84.18 लाख मी० टन आंकी गई है।

(ख) कृषि मंत्रालय द्वारा अनुमानित तिलहनों के 260 लाख मी० टन के लक्षित उत्पादन के आधार पर निकाला गया खाद्य तेलों का अनुमानित उत्पादन वर्ष 2000 में 75.20 लाख मी० टन का है।

(ग) देश में खाद्य तेल उत्पादन में वृद्धि करने हेतु सरकार द्वारा किए जा रहे कुछ उपाय निम्नलिखित हैं:—

(i) अब तक उत्पादन में हुई वृद्धि मुख्य तौर पर इसके क्षेत्र में वृद्धि के कारण है। अब उत्पादकता, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तुलना में अभी कम है, में वृद्धि करने के उपायों पर बल दिया जाएगा;

(ii) तिलहन उत्पादन कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु प्रयासों को तेज करना, क्रमिक फ़सलों, अन्तवर्ती फसलों के जरिए क्षेत्र विस्तार करना;

(iii) तेल ताड़ विकास हेतु सहायता;

(iv) मिनी किटों, मिनिकलर सेटों, उन्नत कृषि उपकरणों और रसायनों आदि का वितरण। इसके अलावा उतपादन प्रौद्योगिकी के अन्तरण के लिए किसानों के खेतों में फ्रन्ट लाइन और सामान्य प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं;

(v) प्रसंस्करण यूनिटों के आधुनिकीकरण हेतु उपकरणों की पहचान।

(घ) तिलहनों की एक राज्य से दूसरे राज्य में पर्याप्त मात्रा में आवाजाही को देखते हुए खाद्य तेलों के राज्यवार वार्षिक उत्पादन की उपयुक्त रूप में गणना करना संभव नहीं है।

(ङ) अप्रैल, 97 के अंत में स्वदेशी खाद्य तेल और आयातित आर बी डी पामोलीन के तुलनात्मक थोक मूल्य निम्नवत हैं:—

मूल्य रु० प्रति मी० टन

मुम्बई में मूंगफली का तेल	: 36,600/-
कलकत्ता में सरसों घानी	: 30,800/-
मुम्बई में रेपसीड तेल	: 28,800/-
मुम्बई में सोयाबीन तेल	: 29,100/-
आर बी डी पामोलीन	: 641.5 अमरीकी डालर
(लागत, बीमा, भाड़ा सहित, कांडला में):	(मई, 97 मलेशिया से डिलीवरी)

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी० डी० एस०) के अंतर्गत जनसंख्या का प्रतिशत

4483. **श्री सूर्यभान पाटील वहाडणे:** क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनसंख्या घनत्व बहुल प्रदेशों उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश में कितनी प्रतिशत जनसंख्या सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आती है;

(ख) क्या उक्त प्रदेशों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आने वाली जनसंख्या का प्रतिशत दक्षिणी प्रदेशों तमिलनाडु केरल इत्यादि से कम है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) जनसंख्या बहुल प्रदेशों में वितरण प्रणाली को प्रभावशाली बनाने के लिए क्या कठिनाइयां हैं और इनके निराकरण के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है।

कृषि मंत्री खाद्य मंत्री और नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) से (ग) वर्तमान नीति के